अभी मेरे पास आईपीएल 2026 को लेकर काफी समय है कि, वो आईपीएल का नया सीजन खेलेंगे या नहीं इस पर मैं सही समय आने पर फैसला लूंगा।

- महेन्द्र सिंह धोनी

भारतीय बल्लेबाज, आईपीएल 2026 में अपने खेलने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। कोहली ने पिछले एक साल के अंदर ही टी-20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है, ऐसे में वह सिर्फ वनडे फॉर्मेट में भारत के लिए खेलेंगे। वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए विराट कोहली ने कमर कस ली है। वहीं भारतीय खिलाड़ी हाल ही में फिटनेस टेस्ट से गुजरे हैं। बता दें कि, ज्यादातर खिलाड़ियों को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया।

क्या आप जानते हैं ?... 1900 से पहले, क्रिकेट खेल भारत में धीरे-धीरे प्रमुखता हासिल करने लगा था। 1884 में, श्रीलंका की एक टीम ने कोलकाता में एक मैच खेला, जो देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत का प्रतीक था।

भारत और पाकिस्तान के अभ्यास सत्र से एशिया कप के लिए बेताबी बढ़ी

दुबई, 7 सितम्बर। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद, आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे।

क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमें अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रहीं। भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ, जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था।

पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के ख़िलाफ़ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच

लिए और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई। आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं। शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था।

शाम की शुरुआत भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी पर कोन्स के साथ ब्रोंको ड्रिल के साथ हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितांशु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर चीयरलीडर बने। यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं।

पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं। शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नज़र रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी।

इस बीच, सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ़ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूरी तक मारा। पुल, फ़्लैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें कभी-कभी अपनी शेप खोने पर मुंह बनाना पड़ा।

कुल मिलाकर, ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे लगे कि कुछ गड़बड़ थी। उनकी टाइमिंग बहुत सटीक थी और गेंद की सटीक जगह पर लगने वाली आवाज के कारण बाउंड्री और उसके पार गश्त कर रहे खिलाड़ी बार-बार दौड़कर गेंद को आईसीसी अकादमी ओवल्स के बाहरी क्षेत्र में पहुंचा रहे थे, कुछ तो पाकिस्तान के प्रशिक्षण क्षेत्र में भी पहुंच रहे थे।

सैमसन के मैदान पर उतरने से बहुत पहले, अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और तिलक वर्मा मैदान पर उतरे, उसके बाद सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह और जितेश। अगले 90 मिनट तक, उन्हें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों का सामना करना पड़ा। इसके बाद स्थानीय नेट गेंदबाज़ों की एक टोली आई, जिसमें तीन कलाई के स्पिनर और दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शामिल थे और सभी को पूरी ताकत से गेंदबाजी करने का निर्देश दिया गया। भारत के दो थ्रोडाउन विशेषज्ञ समय-समय पर गेंदबाजी में शामिल होते रहे और जब भी सत्र में गति की जरूरत पड़ी, गति बढ़ा दी गई। भारत ने रात 9 बजे के आसपास चार घंटे का प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। रविवार को विश्राम का दिन है, क्योंकि भारतीय टीम को 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के ख़िलाफ एशिया कप के अपने पहले मैच से पहले दो और सत्र खेलने हैं।

एशिया कप 2025 : भारत-पाक दोनों देशों के बीच होगा मैच : सैकिया

नई दिल्ली, 7 सितंबर। दो दिन में एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा। इसी कड़ी में भारत को पाकिस्तान के साथ 14 सितंबर को मैच खेलना है। इस मैच को लेकर भारत में कई लोग नाराज हैं और इस मैच को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। वहीं अब इस मैच को लेकर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का जवाब आया है। सैकिया ने साफ कर दिया है कि, सरकार ने मल्टीनेशंस इवेंट में हमें उन देशों के साथ खेलने से नहीं रोका है जिनके साथ भारत के संबंध मैत्रीपूर्ण नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव का ये बयान तब आया है जब भारत के पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने पर सवाल उठ रहे हैं।

बता दें कि, पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध अब तक के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। वैश्विक आयोजनों में पाकिस्तान का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में आमने-सामने होंगे। केंद्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में साफ कर दिया था कि भारतीय खिलाड़ी बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ खेल सकते हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय खेल संबंध स्थापिक नहीं होंगे।

बीसीसीआई सचिव ने कहा कि, बोर्ड सरकार के द्वारा निर्धारित किए गए दिशानिर्देशों का पालन करेगा और एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलेगा। इस बयान को इस विवाद पर बोर्ड के अंतिम फैसले के रूप में देखा जा रहा है जिससे फैंस में एक खट्टा-मीठा एहसास है। देवजीत सैकिया ने कहा कि जहां तक बीसीसीआई का सवाल है हमें केंद्र सरकार जो भी आदेश दिया जाता है हमें उनका पालन करना होता है।

उन्होंने आगे कहा कि, हाल ही में हमारी जो नीति बनी है उसके मुताबिक भारत किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकता है। केंद्र सरकार ने इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है कि हम किसी ऐसे देश के साथ खेलें जिसके साथ भारत के अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे। चूंकि आईसीसी कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें इसमें खेलना होगा।

श्रेयस अय्यर नहीं बनेंगे टीम इंडिया के वनडे कप्तान

नई दिल्ली, 7 सितंबर। पिछले कई दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे कप्तान को लेकर कई चर्चाएं चल रही हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि, बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को नया वनडे कप्तान बना सकती है। लेकिन अब इसमें एक नया मोड़ आया है, दरअसल, ताजा रिपोर्ट के मुताबिक एक और खिलाड़ी है जो रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी हासिल कर सकता है।

रोहित शर्मा मौजूदा समय में वनडे कप्तान है। जबकि टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव और टेस्ट की कमान शुभमन गिल के कंधों पर है। ऐसे में ताजा रिपोर्ट में दावा गिया गया है कि शुभमन गिल भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में पहले दावा किया गया था कि श्रेयस अय्यर भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कंफर्म किया था कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। ये लगभग तय है कि समय आने पर शुभमन गिल ही रोहित शर्मा की जगह वनडे में कप्तान होंगे। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि वनडे कप्तान के लिए कोई और दावेदार नहीं बल्कि शुभमन गिल ही सभी फॉर्मेट की कप्तानी संभालेंगे।

बता दें कि, शुभमन गिल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के उपकप्तान थे। वहीं वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान भी हैं। हाल ही में उन्हें टेस्ट की कमान भी सौंपी गई। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद गिल को भारत की टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया और पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर की।

साउथ और सेंट्रल जोन के बीच होगी दलीप ट्रॉफी में खिताबी भिड़ंत

बेंगलुरु, 7 सितम्बर। साउथ जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी के फाइनल में खिताबी भिड़ंत होगी। गुरजपनीत सिंह (चार विकेट) और एम डी निधीष (तीन विकेट) के बाद नारायण जगदीशन (नाबाद 52) के शानदार प्रदर्शन के दम पर साउथ जोन ने 270 रनों की बड़ी बढ़त के साथ रविवार को ड्रॉ हुए पहले सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन के खिलाफ रविवार को दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली। वहीं छह बल्लेबाजों शुभम शर्मा (96), दानिश मालेवर (76), कप्तान रजत पाटीदार (77), उपेंद्र यादव (87), हर्ष दुबे (75) और सारांश जैन (63) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से बनाये गये 600 रनों के विशाल स्कोर साथ फाइनल में जगह बना ली। आज यहां सेमीफाइनल के चौथे दिन नॉर्थ जोन ने कल के पांच विकेट पर 278 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में वासुकी कौशिक ने शतकवीर शुभम खजुरिया (128) को बोल्ड कर नॉर्थ जोन को छठा झटका दिया। इसके बाद एम डी निधीष ने साहिल लूथरा (19) और मयंक डागर (31) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। युद्धवीर सिंह चरक (सात) को तनय त्यागराजन ने अपना शिकार बनाया। गुरजपनीत सिंह ने आकिब नबी (10) को आउटकर 100.1 ओवर में 361 के स्कोर पर नॉर्थ जोन की पारी का अंत कर दिया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 34 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल (13) का विकेट गंवा दिया।इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने नारायण जगदीशन के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 61 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 7 सितंबर। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने फ्रांस को 235-233 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह पहला मौका है जब भारत ने पुरुष कम्पाउंड टीम स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत थोड़ी कमजोर रही और वे पहले सेट में 57-59 से पीछे हो गए। हालांकि इसके बाद टीम ने शानदार वापसी की और हर सेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए फ्रांस की चुनौती को 235-233 से खत्म किया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शूट-ऑफ में मात दी, क्वार्टर फाइनल में अमेरिका को 234-233 से हराया और सेमीफाइनल में तुर्की पर 234-232 से जीत दर्ज की। भारत के युवा तीरंदाज ऋषभ यादव ने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। 23 वर्षीय ऋषभ ने क्वालिफिकेशन में 709 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया और मिश्रित टीम स्पर्धा में भी दमदार खेल दिखाया। उन्होंने भारत की शीर्ष कम्पाउंड महिला तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम के साथ जोड़ी बनाकर मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत जीता। दोनों ने जर्मनी, अल सल्वाडोर और चीनी ताइपे को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारतीय जोड़ी ने शुरुआती बढ़त बनाई और पहले सेट के बाद 39-38 से आगे भी रहे, लेकिन आखिरकार मुकाबला 155-157 से हारकर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। ज्योति सुरेखा वेन्नम के लिए यह दूसरा मिश्रित टीम स्पर्धा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2021 यैंकटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में अभिषेक वर्मा के साथ भी मिश्रित टीम में रजत पदक जीता था। हालांकि, महिला टीम स्पर्धा में भारतीय चुनौती जल्दी खत्म हो गई।

अनिसिमोवा को मात देकर सबालेंका ने जीता यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने फ्लशिंग मीडोज के हार्ड कोर्ट पर अपना दबदबा कायम करते हुए अमांडा अनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब जीता। शनिवार रात खेले गये मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने फाइनल मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6(3) से हराकर अपने खिताब को बरकरार रखा। इस जीत के साथ बेलारूसी खिलाड़ी सबालेंका 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद न्यूयॉर्क में लगातार दो एकल खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। 27 वर्षीय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलैंड गैरोस दोनों के फाइनल में हारने के बाद दबाव में चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में मैच में उतरी थीं। लेकिन उन्होंने मौके का फायदा उठाया और अथक शक्ति और संयम का प्रदर्शन करते हुए 2025 की

अपनी पहली और अपने करियर की चौथी बड़ी ट्रॉफी जीती। यह जीत ग्रैंड स्लैम स्तर पर उनकी 100वीं मुख्य ड्रॉ मैच जीत और इस सीजन की उनकी 56वीं जीत भी है।

बेसलाइन से सबालेंका के जोरदार प्रहारों का मुकाबला करते हुए, 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने गत चैंपियन को शुरुआत में ही परेशान किया, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर की गई गलतियां उसके लिए महंगी साबित हुईं। शुरुआती सेट में पांच बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन सबालेंका ने 5-3 के स्कोर पर अपनी लय बनाए रखी और सेट को केवल 38 मिनट में ही समाप्त कर दिया, क्योंकि अनिसिमोवा का फोरहैंड बाहर चला गया था।

दूसरे सेट में अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी की और 5-4 के स्कोर पर सबालेंका की सर्विस के दौरान लड़खड़ाने का फायदा उठाया, जिससे उनका नियमित ओवरहेड नेट में चला गया। इससे अनिसिमोवा ने सर्विस ब्रेक की और टाईब्रेकर कराया। हालांकि, सबालेंका ने वह परिपक्वता दिखाई जिसका श्रेय वह अक्सर पिछली निराशाओं से सीखे गए सबक को देती हैं और मैच को अपने तीसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर पहुंचाया। खिताब जीतने के बाद सबालेंका कहा, जब आप सबसे बड़े टूर्नामेंटों में से एक का फाइनल हार जाते हैं और तुरंत मीडिया के पास जाते हैं, तो आप निराश और भावुक हो जाते हैं। उन पलों ने मुझे और भी अधिक मजबूत बनना सिखाया।

विश्व मुक्केबाजी : लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल, 7 सितंबर। भारत के लक्ष्य चाहर ने रविवार को लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में जॉर्डन के हुसैन इयाश को हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम 16 में प्रवेश किया। लक्ष्य ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक तरीके से की, लेकिन जॉर्डन के खिलाड़ी ने दूसरे राउंड में अंतर कम कर लिया। हालाँकि, भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे राउंड में वापसी करते हुए 5-0 से शानदार जीत हासिल की। इससे पहले, पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में पवन बर्तवाल का अभियान उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक से 0-5 से हारकर समाप्त हो गया। भारत ने मुक्केबाजी के लिए हाल ही में गठित अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय, विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाली पहली विश्व चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय दल उतारा है।

बेथेल और रूट के शतक, इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दिया 415 रनों का लक्ष्य

साउथैंप्टन, 7 सितंबर। जेकब बेथेल (110), जो रूट (100) की शानदार शतकीय तथा जेमी स्मिथ (62) और जॉस बटलर (नाबाद 62) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 415 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। नौवें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने बेन डकेट (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जेमी स्मिथ के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़े। 17वें ओवर में केशव महाराज ने जेमी स्मिथ को आउटकर पवेलियन भेज दिया। जेमी स्मिथ ने 48 गेंदों

में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए 62 रन बनाये। इसके बाद जेकब बेथेल ने जो रूट के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 182 रनों की साझेदारी हुई।

अपना शतक पूरा करने के बाद आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे जेकब बेथेल को 41वें ओवर में केशव महाराज ने अपना शिकार बना लिया। बेथेल ने 82 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 110 रनों की पारी खेली। इसके बाद कप्तान हैरी ब्रूक (तीन) रनआउट होकर पवेलियन लौट गये। 47वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने जो रूट को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पांचवीं सफलता दिलाई। जो रूट ने 96 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 100 रन बनाये।

इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 414 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जॉस बटलर ने 32 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 62 रनों की पारी खेली। विल जैक्स आठ गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कॉर्बिन बॉश और केशव महाराज ने दो- दो विकेट लिये।

48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप के मेडल सेरेमनी का आयोजन

जयपुर, 7 सितम्बर। 48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप राईफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 का आयोजन दिनांक 30.08.2025 से 07.09.2025 तक ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर पर किया गया।

आज 48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप राईफल / पिस्टल 2025, 10 मीटर, 25 मीटर, 50 मीटर एवं शॉटगन इवेन्ट्स की मेडल सेरेमनी का आयोजन ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड उपस्थित रहे। राजस्थान राईफल एसोसिएशन के आयोजनकर्ता यज्ञिमत्र सिंहदेव (अध्यक्ष) गिरधर प्रताप सिंह, (उपाध्यक्ष) और शशाक कोरानी (सचिव) तथा यू.पी. स्टेट राईफल एसोसिएशन अध्यक्ष, श्याम सिंह यादव पूर्व सांसद लोकसभा तथा जी.एस. सिंह, सचिव, यू.पी. स्टेट राईफल एसोसिएशन, लखनऊ तथा अन्य अतिथिगण भूपेन्द्र सिंह यादव, सेवानिवृत्त आईपीएस पूर्व डीजीपी राजस्थान, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान पब्लिक कमीशन, सुरेश्वर सिंह, विधायक उत्तरप्रदेश विधानसभा, बहराईच, महेन्द्र यादव, अध्यक्ष, राजस्थान यादव महासभा, अशोक मित्तल, अध्यक्ष हरियाणा राईफल एसोसिएशन एवं ज्वाईन्ट सैक्रेटरी ऑफ नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली भी उपस्थित रहे।

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा पाक

इस्लामाबाद, 7 सितम्बर। नवंबर में पाकिस्तान टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान की मेजबानी करेगा। 17 नवंबर को शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में सभी टीमें एक दूसरे ख़िलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। पहले दो मुकाबले रावलपिंडी में खेले जाएंगे जबकि अगले पांच मुकाबलों सहित फाइनल का आयोजन 29 नवंबर को लाहौर में होगा। यह इस सीजन में दूसरी बार है जब वास्तविक रूप से एक द्विपक्षीय सीरीज टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हुई है। पहले अगस्त में अफ़ग़ानिस्तान को तीन टी20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन बाद में यह सीरीज पाकिस्तान और यूएई को साथ लेकर टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई, जिसका फाइनल 7 सितंबर को अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच खेला जाना है। इसी तरह श्रीलंका को पाकिस्तान के ख़िलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबलों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन अब टी20 सीरीज त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं खेली जाएगी लेकिन वनडे सीरीज का कार्यक्रम आने वाले समय में जारी किया जा सकता है।

आखिरी क्षणों की पेनल्टी से भारत को कतर से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा

दोहा, 7 सितंबर। एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2026 के लिए जल्दी क्वालीफाई करने की भारत की उम्मीदों पर कल रात पानी फिर गया जब ब्लू कोल्ट्स को दोहा के अब्दुल्ला बिन खलीफा स्टेडियम में मेजबान कतर के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता
गुजरात के कर्त्तव्य आनंदकांत चैम्पियन

जयपुर, 7 सितम्बर। द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 ने दो दिनों तक रोमांचक रणनीति और कौशल की जंग देखी। अंतिम क्षणों तक चले कड़े मुकाबलों में गुजरात के कर्तव्य आनंदकात ने चैम्पियन ट्रॉफी अपने नाम की। महाराष्ट्र के श्रायन मजूमदार उपविजेता रहे जबकि हरियाणा के एफएम गर्व गौर ने शानदार प्रदर्शन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जयपुर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अशोक परनामी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में आर.के. सिंह, सीईओ लोटस डेयरी तथा नितिन बखरु, एमडी ज्वेल्स रिज़ॉर्ट्स शामिल रहे। साथ ही अशोक भार्गव, सचिव, आशा भार्गव, अध्यक्ष जे.डी.सी.ए. मधु मेहता, कोषाध्यक्ष जे.डी.सी.ए., अमरीश जोशी, सीओओ वेव्स तथा रवि बजाज, रॉयल जयपुर चेस क्लब भी समारोह में उपस्थित रहे। यह जानकारी डॉ. जयेंद्र चतुर्वेदी, प्रतियोगिता के आयोजन सचिव ने दी।

विशेष रेटिंग व श्रेणी पुरस्कारों में - 1401-1650: सिद्धांत चतुर्वेदी (राजस्थान-जयपुर) प्रथम रहे। 1651-1900: प्रखर त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश)

विजेता बने। अनरेटेड: दक्ष जैन (जयपुर) ने बाजी मारी।

महिला वर्ग: याशिका चौधरी (राजस्थान) प्रथम स्थान पर रहीं। वेटरनर (60): वाई.पी. श्रीवास्तव (बिहार) विजेता बने।

सर्वश्रेष्ठ राजस्थान खिलाड़ी: रुद्रदमन मेड़तिया (जयपुर)। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग: अमरजीत कुमार (बिहार)। सर्वश्रेष्ठ जयपुर खिलाड़ी: भव्य गुप्ता (जयपुर)। सर्वश्रेष्ठ विद्यालय: सेंट एंसलेम मानसरोवर। इसके साथ ही 100 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें अंडर-16, अंडर-14, अंडर-12, अंडर-10 और अंडर-8 वर्ग के विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया। सचमुच यह शतरंज प्रेमियों का एक उत्सव रहा।

राजस्थान राज्य सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता : फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

अलवर, 7 सितम्बर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में अलवर तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित राजस्थान सीनियर राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता का सफल आयोजन राफेल यूनिवर्सिटी मैदान, नीमराना में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए प्रतिभाशाली तीरंदाजों ने हिस्सा लिया, जिनमें 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल रहे।

आज खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबलों में अलग-अलग वर्गों में चैंपियन रहे -

रिकर्व पुरुष वर्ग - कृष कुमार (बाड़मेर), रिकर्व महिला वर्ग - खुशी

कुमावत, कंपाउंड पुरुष वर्ग - रजत चौहान, कंपाउंड महिला वर्ग - प्रिया गुर्जर, इंडियन राउंड पुरुष वर्ग - नवीन कुमार (हनुमानगढ़)।

इंडियन राउंड महिला वर्ग - प्रियंका (सीएसटी फाउंडेशन)। खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि बबीता शर्मा ने कहा इस स्तर के खेल आयोजन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ शहर के विकास के लिए भी शुभ संकेत हैं। विशेष अतिथि शंशाख भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा खेल अनुशासन और लक्ष्य साधना सिखाते हैं, जो जीवन में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

इस अवसर पर राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर, जिला तीरंदाजी संघ अलवर के अध्यक्ष संजीव गर्ग, प्रतियोगिता ऑब्जर्वर अनिल जोशी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टेक्निकल ऑफिशियल्स का सम्मान भी किया गया। निर्णायक मंडल में प्रगति चौधरी, प्रताप बेनीवाल, बंशी वर्मा, मनीष नागा और दीपांशु व्यास शामिल रहे।